फिल्म एक्टर/एक्ट्रेस बनने के योग

राज मल्होत्रा

यह लेख लिखने का अभिप्राय किसी भी प्रतिभाशाली युवक अथवा युवती को हतोत्साहित करने का नहीं है अपितु यह समझाने का है कि आप कितने ही खूबसूरत और अभिनय करने में माहिर क्यों न हों अगर आपकी कुंडली में आपके एक्टर अथवा एक्ट्रेस बनने का योग है तो आप अवश्य ही सफल होंगे।

फिर भी अगर आपको लगता है कि आप रंगमंच की दुनिया में सफल हो सकते हैं तो अपने आप को मात्र 1 साल दें और जब आपको लगे कि सफलता अथवा भाग्य साथ नहीं दे रहा है तो अपना जीवन व्यर्थ बर्बाद करने की जगह आपके अंदर छुपी अन्य विशेषताओं को पहचान कर उस क्षेत्र में आगे बढ़ें और अपने माता–पिता व समाज का नाम भी रोशन करें क्योंकि हम सभी ने देखा है कि बहुत से कलाकार ऐसे हैं जिनकी एक अथवा दो फिल्में आईं और उसके बाद वह अंधकार में गुम हो गए, इस लेख के माध्यम से हम यह चाहते हैं कि आप जिस भी क्षेत्र में जाएं अवश्य सफल हों और नित्य नये कीर्तिमान स्थापित करें।

एक्टर अथवा एक्ट्रेस बनने के ज्योतिष योग

1.अभिनय क्षेत्र में कुंडली का पंचम भाव तथा पंचमेश तथा कारक शुक्र बलवान होकर कर्म भाव व कर्मेश से युति करते हैं तो जातक अवश्य ही अभिनय के क्षेत्र में सफल होता है।

2. शुक्र ऐश्वर्य, आनंद, सुख व सुंदरता का प्रतीक माना जाता है अतः यदि ग्यारहवें भाव में लग्नेश, धनेश, भाग्येश के साथ शुक्र, बुध, चंद्र की युति राहु से दृष्टिगत हो तो जातक अवश्य ही रंगमंच के क्षेत्र में नाम कमाता है।

3: यदि शुक्र उच्च का स्वगृही होकर भाग्येश के साथ व पंचमेश से दृष्टिगत होकर मंगल व राहु से संबंध स्थापित करता है तो जातक अभिनेता अथवा अभिनेत्री बनते हैं।

4. यदि स्वगृही मंगल व गुरु पंचम भाव में हों, शुक्र दूसरे भाव में हो या आपस में उनकी युति हो तो जातक अवश्य ही अभिनय के क्षेत्र में नाम कमाता है।

5. जन्म लग्न या चंद्र लग्न या सूर्य लग्न में जो भी बलवान हो उससे यदि दशम भाव पर शुक्र बली होकर प्रभाव प्रदान करता है तथा नवांश कुंडली में ग्रह योग भी बलवान होने पर जातक अभिनय के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है।

6. चंद्रमा बलवान हो तथा शुक्र का पंचम या पंचमेश या लग्नेश से संबंध हो तथा वाणी का कारक बुध बली होकर चंद्र व शुक्र से युति करे तो जातक रंगमंच पर जब भी उतरता है लोग उसके दीवाने/कायल हो जाते हैं।

7. यदि राहु, शुक्र व चंद्र की युति पंचम भाव या लग्न भाव में हो अथवा पंचम शुक्र व लग्नेश पर एकादश राहु की दृष्टि हो व कर्मेश भाग्येश से केंद्र या त्रिकोण में संबंध स्थापित कर रहे हों तब जातक आश्चर्यजनक रूप से फिल्म क्षेत्र में सफल होता है।

8. यदि राहु–शुक्र अथवा शुक्र–चंद्रमा अथवा मंगल पंचमेश व पंचम में गुरु के साथ अथवा दूसरे भाव में हो तब भी जातक एक्टर अथवा एक्ट्रेस बनते हैं।

9. लग्न में शुक्र स्वराशि या उच्च का, मंगल और राहु से दृष्टिगत हो तो भी अभिनय का योग निर्मित होता है।

10. लग्न में यदि राहु व चंद्र व शुक्र जो अपनी ही राशि में स्थित हो, की युति हो और लग्नेश केंद्र व भाग्येश के साथ शुभ स्थिति में हो तथा मंगल बलवान हो तब जातक अभिनय के क्षेत्र में नाम कमाता है।

11. कुंडली के योगकारक ग्रहों की शुक्र, राहु, चंद्र, बुध से युति होने पर जातक योगकारक ग्रह की महादशा में अभिनय के क्षेत्र में नाम स्थापित करता है।

12. कर्क लग्न की कुंडली में यदि शुक्र, शनि, मंगल दशम स्थान में मेष राशि के हों तथा चंद्र सप्तम भाव में हो वहां राहु अष्टम भाव में कुंभ के हों तथा सूर्य व बुध नवम भाव में मीन राशि के हों और भाग्येश गुरु चतुर्थ भाव में हो तो जातक अवश्य ही

अभिनय के क्षेत्र में कीर्तिमान रचता है।

13. सिंह लग्न की कुंडली में लग्नेश सूर्य मित्र राशि का चतुर्थ भाव में हो तथा योगकारक मंगल उच्च के चंद्रमा से संबंध स्थापित करके छठे भाव में हो तथा शुक्र बुध के साथ पंचम स्थान में हो तथा पंचमेश सप्तम में होकर लग्न को देखे तथा राहु अष्टम भाव में बैठकर सप्तमेश शनि व केतु की द्वितीय भाव में युति को दृष्टि प्रदान करे तो ऐसा जातक गुरु की महादशा में अभिनय के क्षेत्र में अचानक से कीर्ति अर्जित करता है।

14. मकर लग्न की कुंडली में पंचम शुक्र यदि राहु व चंद्र के साथ बारहवें भाव में हो तथा लग्नेश व धनेश शनि छठे स्थान में केतु के साथ बैठकर शुक्र, राहु और चंद्र की युति को दृष्टि दें व बुध ग्यारहवें भाव में हो तथा मंगल व सूर्य केंद्र में एक–दूसरे को देखें तथा गुरु लग्न में होकर पंचम भाव को दृष्टि प्रदान करें तो जातक अभिनय के क्षेत्र में विख्यात होता है।

15. धनु लग्न की कुंडली में पंचम भाव में यदि सूर्य, बुध, शुक्र, शनि की युति हो तथा दूसरे स्थान में पंचमेश केतु के साथ राहु की दृष्टि पर हो तथा लग्नेश व दशमेश गुरु पराक्रम भाव में हो तथा मंगल छठे भाव में स्थित हो तो जातक अभिनय के क्षेत्र में अवश्य ही सफल होता है।

16. तुला लग्न की कुंडली में लग्न व सप्तम में राहु या केतु हो तथा पंचम भाव का स्वामी दशम में हो तथा लग्नेश शुक्र पराक्रम भाव में अष्टम मंगल से दृष्टिगत हो तथा दशमेश एवं पराक्रमेश की युति छठे में गजकेसरी योग में हो तो जातक जन्मजात अभिनेता अथवा अभिनेत्री होता है।

17. मेष लग्न की कुंडली में उच्च का मंगल शुक्र के साथ दशम भाव में हो तथा चतुर्थ चंद्र पंचमेश सूर्य के साथ नवम भाव में हो तथा राहु की दृष्टि बुध पर अष्टम भाव में हो तो ऐसा जातक अभिनय के क्षेत्र में सबके द्वारा याद किया जाता है।

18. वृश्चिक लग्न की कुंडली में लग्नेश मंगल शुक्र के साथ दशम भाव में हो तथा पंचमेश तुला राशि में हो, सूर्य और बुध की युति नवम भाव में एवं भाग्येश सप्तम भाव में तथा राहु ग्यारहवें भाव में बैठकर भाग्यश्री चंद्र को देखें तो ऐसा जातक अभिनय के क्षेत्र में अनेकों नई ऊंचाइयों को छूता है।

19. वृष लग्न की कुंडली में लग्नेश शुक्र पंचम भाव में बुध के साथ बली होकर बैठे तथा उस पर गुरु की दृष्टि हो वह सूर्य स्वगृही केंद्र में हो तथा भाग्येश शनि का नवम भाव से संबंध हो तथा राहु शुक्र की राशि तुला में हो तो जातक अथवा जातिका अभिनय के क्षेत्र में अवश्य ही सफल होते हैं।

20. अगर जन्मपत्री में मंगल, बुध, शुक्र की युति हो तो जातक अभिनय करने में माहिर होता है और अगर मंगल का प्रभाव अधिक होगा तो एंग्रीमैन के रोल ज्यादा करेगा, शुक्र का प्रभाव होने पर संगीतकार हो जाएगा, बुध का प्रभाव होने पर फिल्मों की कहानियां लिखेगा, चंद्र का प्रभाव अधिक होने पर जातक भावुक अभिनय करेगा तथा शनि के प्रभाव से जातक दुख भरी एक्टिंग करने में महारत हासिल करेगा

अभिनय के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु उपाय

1. जातक को हीरा धारण करना चाहिए
2. गणपति की आराधना करनी चाहिए
3. निम्न मंत्र अपनी प्रतिदिन की पूजा–अर्चना में शामिल करने चाहिए वह प्रतिदिन पांच पांच बार जपने चाहिए
   - ऊँ गं गणपतयै नमः
   - ऊँ बुधाय नमः
   - ऊँ सूर्याय नमः
   - ऊँ शुक्राय नमः
   - ऊँ राहवे नमः
   - ऊँ सोम सोमाय नमः
4. छः माह में एक बार शुक्ल पक्ष के प्रथम बुधवार के दिन किसी किन्नर को हरी साड़ी दान में दें।
5. दो समान वजन के मोती लेकर अभिजित मुहूर्त में सोमवार के दिन एक मोती नदी में प्रवाहित करें तथा दूसरा मोती अपने पास संभाल कर रख लें।
6. प्रतिदिन सूर्य देव को तांबे के लोटे में लाल चंदन का बुरादा चुटकी भर डालकर जल दें परंतु ध्यान दें सूर्य देव को जल के अंदर से ही देखना है।
7. हर शुक्रवार को इत्र अथवा परफ्यूम का प्रयोग अवश्य करें।
8. एक सूखे गोले को चीनी तथा पंचमेवा से भर दें, उपरांत अभिजित मुहूर्त में जाकर शनिवार के दिन पीपल अथवा बरगद के पेड़ के नीचे हल्का सा गड्ढा करके दबा दें।
9. 2 गोमती चक्र लाल कपड़े में अपने पर्स में रखें
10. प्रतिदिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें अथवा सुनें।

उदाहारण–1 : यह एक प्रसिद्ध अभिनेत्री की कुंडली है जिनका जन्म 3 अगस्त 1974 तथा समय 7:08 रात्रि का है तथा जन्म स्थान मुंबई है।

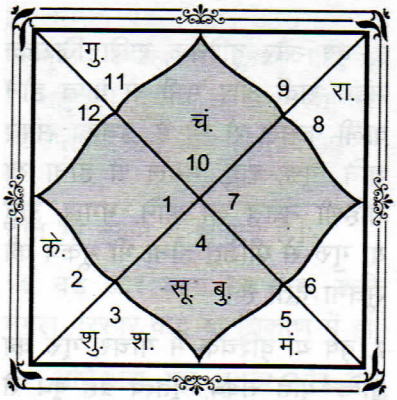

मकर लग्न तथा मिथुन नवांश में जन्म हुआ, लग्नेश षष्ठ भाव में स्थित है तथा लाभेश गुरु द्वितीय भाव में सप्तमेश चंद्र के साथ स्थित है, एकादश चतुर्थेश मंगल अष्टम भाव में स्थित है तथा लग्नेश शनि पर शुक्र के प्रभाव ने इन्हें अभिनय के क्षेत्र में सफलता प्रदान की, उन्होंने न सिर्फ यादगार फिल्में समाज को दीं बल्कि आज भी ये फिल्मों में सक्रिय हैं।

उदाहारण–2 : यह कुंडली भी एक प्रसिद्ध अभिनेता की है जिनका जन्म 14 मार्च 1965, समय 9:21 प्रातः, मुंबई में हुआ।

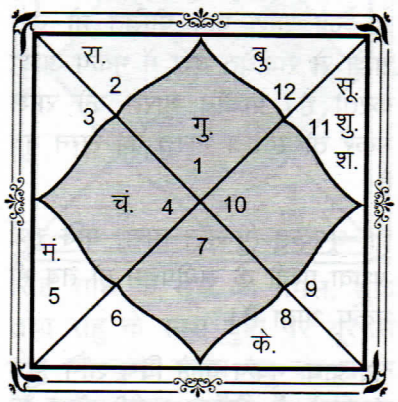

मेष लग्न सिंह नवांश, लग्नेश मंगल पंचम भाव में सिंह राशि में ही स्थित है तथा द्वितीयेश सप्तमेश शुक्र शनि के साथ स्थित है तथा पंचम और लग्न पर सभी कारक ग्रहों का प्रभाव है, चतुर्थ भाव में चंद्र अपनी ही राशि में स्थित है तथा राहु द्वितीय भाव में उच्च राशिगत है। ये सभी मिलकर न सिर्फ इनको राजयोग प्रदान कर रहे हैं, शुक्र इनको अभिनय के क्षेत्र में पारंगत भी कर रहा है।

उदाहारण–3 : यह कुंडली एक विदेशी अभिनेत्री एंजेलिना जोली की है जिनका जन्म 4 जून 1975 को 9:09 प्रातः, लॉस ऐंजिल्स में हुआ था।

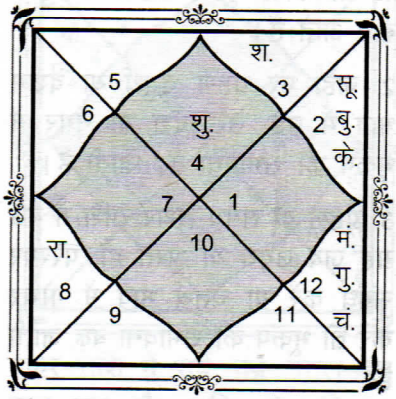

कर्क लग्न तथा सिंह नवांश, लग्नेश चंद्र तथा भाग्येश षष्ठेश गुरु और मंगल जो योग कारक है उसके साथ नवम भाव में स्थित है। इन तीनों ग्रहों की युति न सिर्फ अभिनय के क्षेत्र में पारंगत करती है बल्कि राजयोग भी निर्मित करती है, लग्न में चतुर्थेश लाभेश शुक्र स्थित है जिस पर नवमेश गुरु की पूर्ण दृष्टि है, यह अभिनेत्री आज भी नित नए कीर्तिमान हॉलीवुड में स्थापित कर रही हैं।

उदाहारण–4 : यह कुंडली भी एक प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेता की है जिनका जन्म 9 जून 1963 को 9:44 पर हुआ था।

कर्क लग्न तथा धनु के नवांश में इस

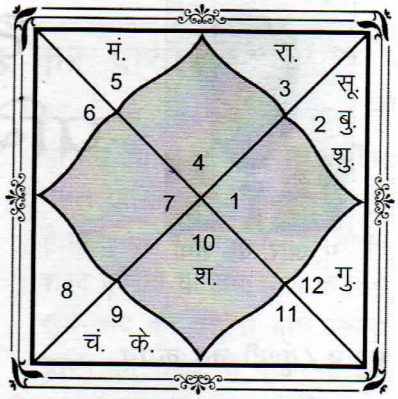

अभिनेता ने जन्म लिया था, लग्नेश चंद्र उच्च राशिगत केतु के साथ षष्ठम भाव में स्थित है, शनि वक्री होकर स्वराशिगत होकर सप्तम भाव में शश योग निर्मित कर रहा है तथा गुरु भाग्येश होकर तथा मंगल पंचमेश होकर द्वितीय भाव में स्थित है जो उसको अभिनय में सुदृढ़ता प्रदान करता है, जिस कारण इस अभिनेता ने न सिर्फ हॉलीवुड में बल्कि पूरे संसार में अपने नाम का परचम लहराया।

पता : रामजी भवन, पंजाबी कॉलोनी
लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश)
मोबाइल 9670088800

राजेश्वर दाती जी महाराज

वशीकरण, ऊपरी बाधा, काम बंधन खोलना, पितृ दोष, कालसर्प दोष शांति, ग्रह बाधा शांति, तांत्रिक अनुष्ठान, जाप, हवन तथा कर्मकांड एवं महामृत्युंजय एवं गायत्री जाप के लिए संपर्क करें।

फोन : 9212120817, ए–32–ए, जवाहर पार्क, देवली रोड, नयी दिल्ली–62